# वार्षिकप्रतिवेदनम्

## (ANNUAL REPORT)

सत्रम् 2018 - 19

विक्रमसम्वत् २०७५ – ७६

## (1 जुलाई 2018- 30 जून 2019)

**प्रकाशक:**

कुलसचिव:

**महर्षिपाणिनिसंस्कृत एवं वैदिकविश्वविद्यालय:**

**MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA**

देवासमार्ग:, उज्जयिनी (मध्यप्रदेश:)- 456010

Email: regpsvvmp@rediffmail.com, Website: www.mpsvvujjain.org

Phone:- 0734-2922037

# वार्षिक प्रतिवेदन

# (ANNUAL REPORT)

संस्कृत भाषा एवं प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परम्परा के संरक्षण अभिवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए मध्यप्रदेश शासन के संकल्प से महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 द्वारा मध्यप्रदेश की प्राचीन पौराणिक नगरी उज्जैन में महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी। अपने स्थापना वर्ष से वर्तमान सत्र तक इस विश्वविद्यालय को स्थापित हुए कुल 11 वर्ष की अवधि पूर्ण हो चुकी है। यह विश्वविद्यालय सकारात्मक सृजन एवं उत्कर्ष की मूल भावना के साथ शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रोत्थान के नैतिक उत्तरदायित्व निभाने में सक्षम नागरिकों के निर्माण हेतु कृतसंकल्प है। भारतीय संस्कृति के मूल सिद्धान्तों में निहित ज्ञाननिष्ठ, समावेशी, उदात्त, सहिष्णु एवं सार्वभौमिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित यह विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। संस्कृतभाषा, प्राचीन शास्त्र परम्परा,भारतीय शिक्षा के सन्दर्भ में मूल्यपरक अध्ययन-अध्यापन, अनुसन्धान तथा गवेषणा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

वर्तमान सत्र के क्रियाकलापों सहित विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वर्ष दिनांक01 जुलाई 2018 से 30 जून 2019 तक का वार्षिक प्रतिवेदन महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008की धारा 43 के अन्तर्गत प्रस्तुत है।

**कुलसचिव**

# विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न तथा आदर्शवाक्य

**प्रतीकचिह्न** –महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने हेतु एक प्रतीकचिह्न को स्वीकार किया गया है। इस प्रतीक चिह्न में आभायुक्त देदीप्यमान सूर्य, महाकालेश्वर मन्दिर का उत्तुंग शिखर,कलश एवं ध्वजा विद्यमान है। चिह्न के मध्य में प्रफुल्लित पद्मपुष्प (कमल पुष्प), पद्मपत्र (कमल के पत्ते), वाम एवं दक्षिण दिशा की ओर मुख किये हुए हंसयुगल विद्यमान हैं जो कि निर्मल प्रवाहमान जलधारा में स्थित हैं।

विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न भारतीय चिन्तनसरणि, उदात्तमनीषा, सत्संकल्प तथा दिव्यसंस्कार को अभिव्यञ्जित करता है। आभायुक्त सूर्य की दिव्य कान्ति सत्य एवं ज्ञान के प्रकाश तथा तप की द्योतक है। महाकालेश्वर मन्दिर का उत्तुंग शिखर श्रेष्ठता,उत्कर्ष एवं उन्नति तथा कलशज्ञानामृत के संग्रह एवं संरक्षण का परिचायक है। प्रवहमान ध्वजा उत्साह, ओज एवं प्रसार की सूचक है। प्रफुल्लित कमलपुष्प विविधता में एकात्मता के साथ समृद्धि, पवित्रता, सौन्दर्य तथा सुगन्धि का सन्देश दे रहा है। कमलपत्र निष्काम कर्मयोग एवं समर्पण भाव को अभिव्यक्त कर रहे हैं। हंसयुगल सौम्यता, शुभ्रता, गुणग्राहिता, विवेकशीलता एवं ज्ञान-विज्ञानके परिचायक हैं तथा प्रवाहमान निर्मल जलधारा शास्त्रपरम्परा एवं संस्कृति को अविरल प्रवाहमान रखने, अग्रसारित करने एवं दोषरहित रखने की द्योतक है।

**आदर्शवाक्य**– विश्वविद्यालय का आदर्श एवं ध्येयवाक्य **''संस्कृतं नाम दैवीवाक्''** है। यह आदर्शवाक्य महाकवि दण्डीकृत काव्यादर्श के प्रथम परिच्छेद की 33 वीं कारिका का प्रथम चरण है जिसका भावार्थ है - ''महर्षियों ने संस्कृतभाषा को दिव्यवाणी कहा है''। संस्कृत भाषा पूर्णत: शुद्ध, परिष्कृत, दोष रहित एवं संस्कार युक्त है अत: दैवी (दिव्य) भाषा है जिसके व्यवहार मात्र से व्यक्ति देवत्व को प्राप्त होता है।

इस प्रकार विश्वविद्यालय का प्रतीकचिह्न स्वत: अध्यात्म, दर्शन, ज्ञान, विज्ञान, परम्परा, उत्साह, समृद्धि, विवेक तथा संस्कृति के प्रवास का दिव्य समन्वय है।

## लक्ष्य वाक्य

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के जनक और अधिष्ठाता यह संकल्प लेते हैं कि यह विश्वविद्यालय शास्त्रीय मर्यादा की रक्षा करते हुए देव भाषा संस्कृत तथा उससे निष्पन्न अन्य भाषाओं एवं उनके साहित्य, उनमें उपलब्ध प्राचीन ज्ञान के विशाल सागर जिसमें वैदिक साहित्य और वेदांग तथा उन पर विकसित सम्पूर्ण आगमिक साहित्य, प्राचीन विज्ञान जैसे आयुर्वेद, ज्योतिर्विज्ञान, भूमिति, गणित, रसायनशास्त्र, धातुशास्त्र, ऋतुविज्ञान, विमानशास्त्र, युद्धशास्त्र, अश्वशास्त्र, प्राचीन प्राणिशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र तथा पंच भूतात्मक पर्यावरण से सम्बन्धित विज्ञान, स्थापत्य, वास्तुशिल्प, दृश्य, अभिनेय तथा श्रव्य कलाएँ, दण्डनीति तथा अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, प्राचीन प्रशासनिक एवं नैयायिक विधान, पारम्परिक इतिहास, सभ्यताओं के आरोह-अवरोह तथा दर्शन की सभी शाखाओं वैदिक-अवैदिक, भारतीय तथा पश्चिमी का संरक्षण, समुन्नयन एवं प्रचार-प्रसार करेगा, जिससे वैश्विक ज्ञान का क्षितिज विस्तृत हो एवं वर्तमान वैश्विक समाज के समक्ष सामाजिक और सारस्वत स्तर पर जो प्रश्न आज खड़े हुए हैं, उनके समुचित उत्तर प्राप्त हो सकें, जिससे स्पष्टतर दिशाओं के उद्घाटन से अधिक सामंजस्यपूर्ण जगत् एवं सुखी मानवता के लिये मार्ग प्रशस्त हो सके।

इस प्रयोजन के लिये विश्वविद्यालय अपने परिसर में तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों के माध्यम से वैश्विक मानदण्ड अपनाते हुए अध्ययन, अध्यापन और शोध सम्बन्धी सेवाएँ प्रदान करेगा।

## विश्वविद्यालय की स्थापना एवं आरम्भ

1. संस्कृत भाषा एवं प्राचीन ज्ञान-विज्ञान परम्परा के संरक्षण अभिवर्धन एवं उन्मुखीकरण के लिए मध्यप्रदेश की प्राचीन पौराणिक नगरी उज्जैन में मध्यप्रदेश शासन के संकल्प से संस्कृत विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इस हेतु शासन द्वारा "महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 (क्रमांक 15 सन् 2008)" के अन्तर्गत 15 अगस्त 2008 को 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय' उज्जैन की स्थापना की गई।

2. स्थापना के उपरान्त दिनांक 17 अगस्त 2008 को मध्यप्रदेश राज्य के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में तत्कालीन राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीय श्री डॉ. बलराम जाखड़ द्वारा विश्वविद्यालय का विधिवत् शुभारम्भ किया गया। उज्जैन के देवास मार्ग स्थित बृजमोहन बिड़ला शोध संस्थान परिसर में शुभारम्भ विधि को सम्पन्न किया गया जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित प्रशासन एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

3. क्षिप्रांजलि न्यास की भूमि में स्थित बृजमोहन बिड़ला शोध संस्थान परिसर के भवन में किराया अनुबन्ध के आधार पर कक्षों को आवंटित कर विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्यालयदिनांक 17 अगस्त 2008 से विधिवत् प्रारम्भ किया गया। प्रशासनिक कार्यों के अतिरिक्त स्थान की उपलब्धता के आधार पर अध्ययन-अध्यापन आरम्भ करने की दृष्टि से इसी भवन में छात्रों के उपयोग हेतु पुस्तकालय एवं शैक्षणिक कार्यों की गतिविधियाँ भी आरम्भ की गईं।

4. विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सुरम्य परिसर निर्माण एवं शैक्षणिक उपयोग के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा उज्जैन नगर के देवास मार्ग पर सीमान्त ग्राम मानपुरा/लालपुर में मुख्य मार्ग पर 10 हेक्टेयर (25 एकड़) भूमि का आवंटन किया गया। विश्वविद्यालय के लिये आवण्टित भूमि का सिंहावलोकन एवं भूमि पूजन मध्यप्रदेश शासन के तत्कालीन मुख्यमन्त्रीकेकर-कमलों द्वारा गुरुवार, दिनांक 22 जनवरी 2009 को सम्पन्न हुआ।

5. विश्वविद्यालय की स्थापना के मूल सिद्धान्तों को विस्तारित करने के उद्देश्य से दिनांक 25.03.2010 को मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय, उज्जैनके अधिनियम में 'एवं वैदिक' शब्द को जोड़ने के सम्बन्ध में संशोधन प्रस्ताव पारित किया गया। उक्त संशोधन पारित होने के उपरान्त इस विश्वविद्यालय का नाम 'महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय' के स्थान पर 'महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय' हुआ।

## विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विकास कार्य

- विश्वविद्यालय की अधोसंरचना एवं विकास कार्यों के लिए मध्यप्रदेश राज्य शासन से भवन निर्माण, आर.सी.सी. एप्रोच रोड़, विद्युतीकरण आदि सम्पूर्ण परिसर के विकास हेतु देवास मार्ग स्थित उज्जैन नगर के सीमान्त भाग में ग्राम मानपुरा/लालपुर में मुख्य मार्ग पर 10 हेक्टेयर भूमि का आवंटन किया गया है। विश्वविद्यालय के लिये आवण्टित भूमि का सिंहावलोकन एवं भूमि पूजन मध्यप्रदेश शासन के तत्कालीन मुख्यमन्त्री के कर-कमलों द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में गुरुवार, दिनांक 22 जनवरी 2009 को सम्पन्न हुआ।

- भूमि का सर्वे कार्य सम्पन्न होने के पश्चात् वास्तुविद् (आर्किटेक्ट) द्वारा विश्वविद्यालय की भूमि का परीक्षण कर अधोसंरचना विकास हेतु प्रकल्प विन्यास (Concept Planning), शिल्प विन्यास (Architectural Drawing) एवम् अधिविन्यास (Layout) तैयार किया गया है जिसके अनुसार परिसर में निर्माण कार्य प्रस्तावित हैं।

- मध्यप्रदेश शासन के माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलाधिपति जी के द्वारा दिनांक 18 जून 2010 को देवास मार्ग स्थित विश्वविद्यालय परिसर का विधिवत् शिलान्यास सम्पन्न किया गया।

- प्रारम्भिक तौर पर विश्वविद्यालय की अधोसंरचना विकास एवं स्थापना हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा पाँच (5) करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गयी। उक्त राशि से विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भिक निर्माण कार्य किए गये हैं जिनमें भूमि विकास कार्य, आर.सी.सी. एप्रोच रोड़, भूमि का समतलीकरण, परिसर की बाउन्ड्रीवॉल, यूटिलिटी ब्लॉक, पार्किंग शेड, शिक्षण हेतु पाँच कक्ष, पतंजलि छात्रावास आदि का निर्माण कार्य शासकीय निर्माण संस्था द्वारा पूर्ण किया जा चुका है।

- विश्वविद्यालय परिसर में अधोसंरचना विकास एवं निर्माण कार्यों के लिए रु. 68.5 करोड़ के अनुदान हेतु प्रस्ताव शासन के समक्ष प्रस्तुत किये गये थे। प्रथम चरण में रु.19 करोड़ का अनुदान स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा गया था जिसके अन्तर्गत

विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सन् 2008 में मात्र रुपये 5 करोड़ का स्थापना अनुदान ही प्रदान किया गया था। शासन द्वारा प्रदान किये गये उक्त अनुदान के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अधोसंरचना विकास व निर्माण कार्यों हेतु अन्य कोई भी अनुदान शासन द्वारा अभी तक प्रदान नहीं किया गया है।

## विश्वविद्यालय के कुलपति एवं उनका कार्यकाल

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति के रूप में डॉ. मोहन गुप्त (IAS एवं पूर्व सम्भागीय कमीश्नर, उज्जैन) को नियुक्त किया गया था। तदुपरान्त अग्रिम वर्षों में अद्यावधि कार्यकाल पूर्ण करने वाले एवं वर्तमान माननीय कुलपतिगणों का विवरण अधोलिखित है –

| क्र. | कुलपति का नाम | दिनांक से | दिनांक तक |
|---|---|---|---|
| **1.** | डॉ. मोहन गुप्त | 17.08.2008 | 29.08.2011 |
| **2.** | प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी | 30.08.2011 | 11.02.2015 |
| **3.** | प्रो. रमेशचन्द्र पण्डा | 12.02.2015 | 11.02.2019 |
| **4.** | प्रो. आशा शुक्ला (प्रभारी) | 20.02.2019 | 08.03.2019 |
| **5.** | डॉ. पंकज एल जानी | 08.03.2019 | निरन्तर |

## विश्वविद्यालय केकुलसचिव एवं उनका कार्यकाल

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन की स्थापना के उपरान्त विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलसचिव के रूप में डॉ.बी.एल. बुनकर को नियुक्त किया गया था। तदुपरान्त अग्रिम वर्षों में अद्यावधि कार्यकाल पूर्ण करने वाले एवं वर्तमान कुलसचिवों का विवरण अधोलिखित है –

| क्र. | कुलसचिव का नाम | दिनांक से | दिनांक तक |
|---|---|---|---|
| **1** | डॉ.बी.एल. बुनकर | 17.08.2008 | 10.06.2010 |
| **2** | श्री मनोज कुमार तिवारी | 10.06.2010 | 24.06.2015 |
| **3** | श्री राकेश कुमार चैहान | 01.09.2015 | 10.07.2018 |
| **4** | श्री मनोज कुमार तिवारी | 24.07.2018 | 13.03.2019 |
| **5** | श्री एल.एस. सोलंकी | 13.03.2019 | निरन्तर |

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय में उपकुलसचिव के रूप में डॉ. ए.वी. राव पदस्थ रहे जिन्होने परीक्षा एवं प्रशासन के दायित्वों का निर्वहन किया।

## विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनिय 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 10 के अनुसार विश्वविद्यालय के प्राधिकारी निम्नलिखित हैं –

(1) साधारण परिषद्
(2) कार्यपरिषद्
(3) विद्यापरिषद्
(4) वित्त समिति, और
(5) ऐसे अन्य प्राधिकारी, जो विनियमों द्वारा विहित किये जायें।

## साधारण परिषद्

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनिय 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 11(1) के अनुसार विश्वविद्यालय की साधारण परिषद् का गठन किया गया है।जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं–

**एक - पदेन सदस्य**

(एक) मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री -अध्यक्ष
(दो) मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का भारसाधक मन्त्री - उपाध्यक्ष
(तीन) मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग का भारसाधक मन्त्री - सदस्य
(चार) विश्वविद्यालय का कुलपति -सचिव
(पाँच) मध्यप्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव - सदस्य
(छ:) मध्यप्रदेश सरकार के वित्त विभाग का प्रमुख सचिव/सचिव - सदस्य
(सात) आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश -सदस्य

**दो - नामनिर्देशित सदस्य**

(आठ) मध्यप्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से संस्कृत अध्यापक/आचार्य के छह प्रतिनिधि, जो संस्कृत में चर्चा या विचार-विमर्श में भाग लेने में समर्थ हों।

(2) खण्ड (आठ) के अधीन सदस्य राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 13 (1) उपधारा (2) तथा (3) के उपबन्धों के अध्यधीन रहते हुए साधरण परिषद् के सदस्यों की पदावधि चार वर्ष है।

वर्तमान में साधारण परिषद् में नाम निर्दिष्ट सदस्यों का कार्यकाल दिनांक 03/11/2015को पूर्ण हो चुका है। नवीन सदस्यों का नामनिर्देशन किया जाना प्रस्तावित है।

## कार्यपरिषद्

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनिय 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 की धारा 16 (1) के अनुसार विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् का गठन किया गया है। कार्यपरिषद् विश्वविद्यालय का मुख्य कार्यकारी निकाय है।विश्वविद्यालय का प्रशासन, प्रबन्धन तथा नियन्त्रण और उसकी आय, कार्यपरिषद् में निहित है जो विश्वविद्यालय की सम्पत्ति तथा निधियों को नियन्त्रित और प्रशासित करती है। वर्तमान कार्यपरिषद् में निम्नलिखित सदस्य हैं:-

| क्र. | नाम | पता | पद |
|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. पंकज एल. जानी | कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) | अध्यक्ष (चेयरमेन) |
| 2 | साधारण परिषद् के दो सदस्य | - | - |
| 3 | प्रमुख सचिव | उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन | पदेन सदस्य |
| 4 | प्रमुख सचिव | वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन | पदेन सदस्य |
| 5 | डॉ. शुभम् शर्मा | असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | सदस्य |
| 6 | डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी | असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | सदस्य |
| 7 | श्री हरीश मंगल (अनारक्षित प्रवर्ग) | बंगला न. 6, नूतन स्कूल के पास, प्रताप मार्ग, नीमच (म.प्र.) | सदस्य |
| 8 | डॉ. सुनीता थत्ते (अनारक्षित प्रवर्ग) | व्याख्याता (संस्कृत), शासकीय महाराजा शिवाजीराव उ.मा. विद्यालय इन्दौर | सदस्य |
| 9 | श्रीमती वन्दना नाफडे (अनारक्षित प्रवर्ग) | सहायक प्राध्यापक (संस्कृत),शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, इन्दौर | सदस्य |
| 10 | श्री भरत बैरागी (अन्य पिछड़ा प्रवर्ग) | यशोदा विहार, 97, त्रिमूर्ति नगर, साक्षी पेट्रोल पम्प के सामने,रतलाम | सदस्य |
| 11 | श्री कौशल मेहरा (अनुसूचितजाति प्रवर्ग) | 86, कावेरी विहार,खण्डवा | सदस्य |
| 12 | श्री केसरसिंह चैहान (अनुसूचितजनजाति प्रवर्ग) | 4, दीनदयाल पुरम कॉलोनी,दहाना जिला –धार (म.प्र.) | सदस्य |

## (विद्यापरिषद्)

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 की धारा 23(1) (दो) के अन्तर्गत तथा विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक 13.10.2015 के निर्णयानुसार निम्नलिखित व्यक्तियों को विद्यापरिषद् का सदस्य नामनिर्दिष्ट किया गया है :-

1. प्रो. पंकज एल. जानी : अध्यक्ष
   कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक
   विश्वविद्यालय, उज्जैन, (म.प्र.)

2. प्रो. मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी, : सदस्य
   सेवा निवृत्त आचार्य एवं पूर्व कुलपति,
   57, ए, रामायणम् वैशाली नगर इन्दौर, (म.प्र.)

3. प्रो. बालकृष्ण शर्मा, : सदस्य
   आचार्य (संस्कृत) एवं निदेशक,
   सिंधिया प्राच्यविद्या शोध प्रतिष्ठान,
   वर्तमान कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, (म.प्र.)

4. डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय, : सदस्य
   व्याख्याता, शासकीय रामानन्द संस्कृत महाविद्यालय,
   लालघाटी,भोपाल, (म.प्र.)

5. डॉ. (प्रो.) मनमोहनलाल उपाध्याय, : सदस्य
   उपकुलपति एवं संकायाध्यक्ष, वेद-वेदांग एवं साहित्य संकाय,
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, (म.प्र.)

6. डॉ. रामशरण पाण्डेय, : सदस्य
   संकायाध्यक्ष, कला संकाय,
   शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भीतरी

7. डॉ. तुलसीदास परौहा, : सदस्य
   एसोसिएट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष,
   संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

8. डॉ. (श्रीमती) पूजा उपाध्याय : सदस्य
   असिस्टेन्ट प्रोफेसर, विशिष्ट संस्कृत (प्राच्य)
   महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

## वित्त समिति

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 की धारा 26(1)के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की 'वित्त-समिति' का गठन किया गया है। विश्वविद्यालयके कुलपति वित्तसमिति के पदेन अध्यक्ष हैं तथा वित्त समिति में निम्नलिखित व्यक्तियों को सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है :-

| क्र. | नाम | पता | पद |
|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. पंकज एल. जानी | कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, | अध्यक्ष |
| 2 | प्रमुख सचिव | उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन | पदेन सदस्य |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3 | प्रमुख सचिव | वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन | पदेन सदस्य |
| 4 | डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी | असिस्टेन्ट प्रोफेसर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय | सदस्य |
| 5 | श्रीमती वन्दना नाफडे | सहायक प्राध्यापक (संस्कृत),शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, इन्दौर | सदस्य |
| 6 | श्री भरत बैरागी | यशोदा विहार, 97, त्रिमूर्ति नगर, साक्षी पेट्रोल पम्प के सामने,रतलाम | सदस्य |
| 7 | डॉ. एल.एस. सोलंकी | कुलसचिव,महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | सचिव |

उपर्युक्त वित्त समिति विश्वविद्यालय के वार्षिक बजट का परिक्षण और उसकी संवीक्षा और वित्तीय मामलों में कार्यपरिषद् को अनुशंसाएँ करती है तथा नवीन व्ययों के लिए समस्त प्रस्तावों पर विचार कर कार्यपरिषद् को अनुशंसा करती है। विश्वविद्यालय की वित्त सम्बन्धी मामलों की प्रधान समिति है।

**भवन समिति**

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 की धारा 17(1)के प्रावधान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की 'भवन समिति' का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति भवन समिति के पदेन अध्यक्ष हैं तथा भवन समिति में निम्नलिखित व्यक्तियों को सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है :-

| क्र. | नाम | पता | पद |
|---|---|---|---|
| 1 | डॉ. पंकज एल. जानी | कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | पदेन अध्यक्ष |
| 2 | अधीक्षण यन्त्री | लोकनिर्माण विभाग, उज्जैन | पदेन सदस्य |
| 3 | कार्यपालन यन्त्री | नगर पालिक निगम, उज्जैन | पदेन सदस्य |
| 4 | विभागाध्यक्ष | सिविल इंजीनियर विभाग, शासकीय अभियान्त्रिकी महाविद्यालय, उज्जैन | पदेन सदस्य |
| 5 | श्री भरत बैरागी | यशोदा विहार, 97, त्रिमूर्ति नगर, साक्षी पेट्रोल पम्प के सामने,रतलाम | नामित सदस्य |
| 6 | श्री अखिलेश श्रीवास्तव | इलेक्ट्रीकल इंजीनियर, ऋषि नगर, उज्जैन | नामित सदस्य |
| 7 | श्री एच.एस. गहलोत | वित्त नियन्त्रक, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | पदेन सदस्य |
| 8 | डॉ. एल.एस. सोलंकी | कुलसचिव,महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | पदेन सचिव |

उपर्युक्त भवन समिति विश्वविद्यालय के भवन निर्माण, योजना, विन्यास आदि के आकल्पन आदि से सम्बन्धित यथोचित अनुशंसाएँ कार्यपरिषद् को प्रेषित करती है।

## विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था

- महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग की नियुक्ति हेतु दिनांक 31.08.2008 को स्टाफिंग पेटर्न शासन को भेजा गया था। इसमें 50 शैक्षणिक तथा 223 गैर शैक्षणिक पदों की स्वीकृति हेतु शासन के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक 29.03.2010 को प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के समक्ष उनके कक्ष में आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, अपर सचिव, राजभवन तथा तत्कालीन कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन की संयुक्त बैठक में 30 शैक्षणिक एवं 17 गैर-शैक्षणिक पदों हेतु वित्त विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने स्वीकृति प्रदान की थी। तदनुसार उच्च शिक्षा विभाग के आदेश क्रमांक एफ-1-11/3-38, दिनांक 10/08/2010 द्वारा स्वीकृत पदों का विवरण निम्नानुसार है :-
- **शैक्षणिक-**

| क्र. | पद का नाम | पद |
|---|---|---|
| **1** | प्रोफेसर | 05 |
| **2** | एसोसिएट प्रोफेसर | 10 |
| **3** | असिस्टेन्ट प्रोफेसर | 15 |
| | **कुल पद** | **30** |

- **गैर-शैक्षणिक-**

| क्र. | पद का नाम | पद |
|---|---|---|
| **1** | कुलपति | 01 |
| **2** | कुलसचिव | 01 |
| **3** | वित्त अधिकारी (म.प्र. राज्य वित्त सेवा से) | 01 |
| **4** | स्टेनो | 01 |
| **5** | सहायक ग्रेड 3 | 03 |
| **6** | भृत्य | 04 |
| **7** | सुरक्षाकर्मी एवं चैकीदार (कलेक्टर दर पर) | 02 |
| **8** | विश्वविद्यालय अभियंता (प्रतिनियुक्ति पर) | 01 |
| **9** | ड्रायवर | 02 |
| **10** | स्वीपर (कलेक्टर दर पर) | 01 |
| | **कुल पद** | **17** |

उपर्युक्त सारणी में प्रदर्शित शैक्षणिक पदों पर में से 7 पदों की पूर्ति की जा चुकी है तथा शेष 23 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया प्रस्तावित है।

गैर शैक्षणिक पदों में से 7 गैर शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं। 02 पदों पर कुलपति एवं कुलसचिव कार्यरत रहे। मध्यप्रदेश राज्य वित्त सेवा से वित्त नियन्त्रक के पद पर सेवारत अधिकारी विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी के रूप में कार्यरत रहे। शेष पदों को पुनः विज्ञापित किया जाना प्रस्तावित है।

विश्वविद्यालय के विविध संकायों के अन्तर्गत संचालित विभागों में शैक्षणिक सत्र 2018-19 में निम्नलिखित प्राध्यापक कार्यरत हैं :-

| क्र. | नाम | पद |
|---|---|---|
| **1.** | प्रो. मनमोहन लाल उपाध्याय | निदेशक (प्रोफेसर) |
| **2.** | डॉ. तुलसीदास परौहा | ऐसोसिएट प्रोफेसर (साहित्य) |
| **3** | डॉ. श्रीमती पूजा उपाध्याय | असिस्टेन्ट प्रोफेसर (भारतीय दर्शन) |
| **4** | डॉ. शुभम् शर्मा | असिस्टेन्ट प्रोफेसर (ज्योतिर्विज्ञान) |
| **5** | डॉ. अखिलेश कुमार द्विवेदी | असिस्टेन्ट प्रोफेसर (नव्यव्याकरण) |

| | | |
|---|---|---|
| 6 | डॉ. उपेन्द्र भार्गव | असिस्टेन्ट प्रोफेसर(सिद्धान्त ज्योतिष) |
| 7 | डॉ. संकल्प मिश्र | असिस्टेन्ट प्रोफेसर (शुक्लयजुर्वेद) |

विश्वविद्यालय की माननीय विद्यापरिषद् एवं कार्यपरिषद् के निर्णय एवं मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त विश्वविद्यालय में स्वीकृत 05 प्रोफेसर के पदों में से एक पद को संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संर्वधन केन्द्र के निदेशक (प्रोफेसर) के रूप में भरा गया। उक्त पद पर दिनांक 19.06.2018 से डॉ. मनमोहन लाल उपाध्याय निदेशक (प्रोफेसर) के रुप में कार्यरत हैं।

गैर-शैक्षणिक पदों में सहायक ग्रेड-3 पद हेतु 01,भृत्य पद हेतु 04 तथा वाहन चालक पद हेतु 02 कर्मचारी वर्तमान वर्ष में कार्यरत रहे।विश्वविद्यालय का प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से चलाने हेतु राज्य शासन से स्वीकृत पदों के अतिरिक्त गैर-शैक्षणिक पद सृजित करने का अनुरोध किया गया है जिस पर शासन का निर्णय अपेक्षित है।

विश्वविद्यालय में प्रतिवेदनाधीन अवधि में प्रशासनिक व्यवस्था निम्नानुसार रही:-

| क्र. | प्रशासनिक पद | अधिकारी का नाम | कार्यकाल की स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1. | कुलपति | डॉ. पंकज एल. जानी | 08.03.2019 से निरन्तर |
| 2. | उपकुलपति | प्रो. मनमोहन उपाध्याय | 04.02.2019 से निरन्तर |
| 3. | कुलसचिव | डॉ.एल.एस. सोलंकी | 13.03.2019 से निरन्तर |
| 4. | वित्त नियन्त्रक | श्री एच. एस. गेहलोत | 25.07.2019 से निरन्तर |
| 5. | वि.क.अ.(OSD,परीक्षा) | डॉ. तुलसीदास परौहा | 15.04.2019 से निरन्तर |
| 6. | वि.क.अ.(OSD,प्रशासन) | डॉ. उपेन्द्र भार्गव | 15.04.2019 से निरन्तर |
| 7. | वि.क.अ.(OSD,वित्त) | डॉ. संकल्प मिश्र | 15.04.2019 से निरन्तर |

## परिसर विकास की योजनाओं का वित्तीय अनुमान

राज्य शासन की नीति अनुरूप संस्कृत विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय की भवन निर्माण तथा परिसर विकास की योजनाओं का आँकलन किया गया तथा आवश्यकतानुसार समय-समय पर राज्यशासन को वित्तीय प्रावधान करने तथा विश्वविद्यालय को तदनुसार धनराशि सुविधानुसार उपलब्ध हो सके, इस परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण तथा परिसर की आवश्यकता का प्रारम्भिक आँकलन विश्वविद्यालय के वास्तुविद् से कराया गया है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक सुविधाओं, स्टाफ की सुविधाओं, विद्यार्थियों की सुविधाओं तथा परिसर के विकास के लिये लगभग रुपये 42 करोड़ का प्रारम्भिक व्यय आँका गया है। प्रस्तावित भवन निर्माण तथा परिसर विकास की संक्षिप्त रूपरेखा निम्नानुसार है:-

| MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDHYALAYA, UJJIAN | | |
|---|---|---|
| SUMMARY | | |
| S. No. | **ITEM DESCRIPTION** | **AMOUNT** |
| 1 | ACADEMIC FACULTIES | 41119160/- |
| 2 | ADIMINISTRATIVE BLOCK | 15913640/- |
| 3 | AUDITORIUM | 20860480/- |
| 4 | GUEST HOUSE | 19005072/- |
| 5 | RESIDENTIAL QUARTERS | 54792968/- |
| 6 | STAFF(OFFICE) | 15792440/- |
| 7 | REGISTERAR BUNGALOW | 5646560/- |
| 8 | VICE CHANCELLOR BUNGALOW | 8415840/- |
| 9 | BOYS HOSTEL | 45864690/- |
| 10 | GIRLS HOSTEL | 13470120/- |
| 11 | LIBRARY & SEMINAR HALL | 31082160.63/- |
| 12 | BHARAT KA RANGMANCH | 6568650/- |
| 13 | VEDH SHALA | 15536700/- |
| 14 | CLUB HOUSE | 436130/- |
| 15 | DISPENCERY | 1977345/- |
| 16 | CONVENIETNT SHOPPING | 7258500/- |
| 17 | OPEN AIR THEATER | 12605175/- |
| 18 | SWIMMING POOL | 12459730/- |
| 19 | OUTER DEVELOPMENT | 45106250/- |

| | | |
|---|---|---|
| | **TOTAL** | **377836610.63/-** |
| | **Add for Contingencies, Consultany, Work Charge Estabilishment @ 10.65%** | **40239599.03/-** |
| | **Grand Total** | **418076209.66/-** |
| | **Say Rs. In Cr.** | **41.81/-** |

## विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्गत मान्यता

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) नई दिल्ली अधिनियम की धारा 2 (f) के अधीन मान्यता प्राप्त है। विश्वविद्यालय द्वारा यू.जी.सी. की धारा 12 (बी) के अन्तर्गतमान्यता एवं आर्थिक अनुदान प्रदान करने के लिये पात्रता हेतु पत्र क्रमांक 2713, दिनांक 10 सितम्बर 2010 द्वारा आवेदन किया गया था।आर्थिक अनुदान की पात्रता प्रदान करने के लिये आयोग द्वारा शर्तें निर्धारित की गई हैं जिन्हैं पूर्ण करने के उपरान्त ही विश्वविद्यालय को अनुदान प्राप्त हो सकेगा।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम की धारा 12 (बी) में मान्यता प्राप्त होने के उपरान्तविश्वविद्यालयकी विकासात्मक योजनाओं का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

## विश्वविद्यालय के संकाय एवं विभाग

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2006 क्र. 15 सन् 2008 की धारा24 (तीन) एवं 33 (ञ) के अन्तर्गत् विनिर्मित परिनियम क्र. 15 के अनुसार प्रस्तुत प्रतिवेदन के सन्दर्भ में आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित संकायों का गठन किया गया है तथा उनके अन्तर्गत संचालित अधोनिर्दिष्ट विभागों में शिक्षण/अध्यापन कार्य जारी रहा:-

### 1. वेद वेदांग PG – Programmes (Totoal Count - 9)

| Name of the Programme | Department | School |
|---|---|---|
| Acharya in Shuklayajurveda | Veda & Vyakarana | Veda Vedanga and Sahitya |
| Acharya in Navya Vyakarana | Veda & Vyakarana | Veda Vedanga and Sahitya |
| Acharya in Sahitya | Sanskrit Sahitya | Veda Vedanga and Sahitya |
| Acharya in Falitajyotisha | Jyotisha & Jyotirvijnana | Veda Vedanga and Sahitya |
| Acharya in Siddhantajyotisha | Jyotisha & Jyotirvijnana | Veda Vedanga and Sahitya |
| M.A. in Jyotirvigyana | Jyotisha & Jyotirvijnana | Veda Vedanga and Sahitya |
| Acharya in Nyayadarshana | Darshana | Veda Vedanga and Sahitya |
| M.A. in Sanskrit | Vishishta Sanskrit | Kala |
| M.A. in Yoga | Yoga | Prachin Vigyana |

### 2. UG – Programmes (Total Count - 8)

| Name of the Programme | Department | School |
|---|---|---|
| B.A. B.ED. | Education | Education |
| Shastri in Shukla Yajurveda | Veda & Vyakarana | Veda Vedanga and Sahitya |
| Shastri in Navya Vyakarana | Veda & Vyakarana | Veda Vedanga and Sahitya |
| Shastri in Sahitya | Samskrit Sahitya | Veda Vedanga and Sahitya |
| Shastri in Falita Jyotisha | Jyotisha & Jyotirvijnana | Veda Vedanga and Sahitya |
| Shastri in Siddhanta Yyotisha | Jyotisha & Jyotirvijnana | Veda Vedanga and Sahitya |
| Shastri in Nyaya Darshan | Darshan | Veda Vedanga and Sahitya |
| B.A. Honours in Sanskrit | Vishishta Sanskrita | Kala |

### 3. Ph.D. (in six subjects) (Total Count - 1)

उपर्युक्त विभागों में सत्र 2018-19 में स्नातक स्तर परशास्त्री/ बी.ए./बी.ए. ऑनर्स/ बी.ए.बी.एड. एकीकृत तथा स्नातकोत्तर स्तर पर आचार्य/ एम.ए. तथा पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम में संस्कृत सम्भाषण/ पौरोहित्य/ योगविज्ञान/ वैदिक गणित/ वास्तुशास्त्र एवं प्रायोगिक ज्योतिर्विज्ञान तथा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम की कक्षाएँ संचालित रही हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2009 तथा संशोधित अनुसार विश्वविद्यालय में शोध एवं अनुसंधान पाठ्यक्रमों में विद्यावारिधि (पीएच्.डी.) संचालित है।

## विश्वविद्यालय की विविध समितियाँ

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं विश्वविद्यालय, उज्जैन के प्रशासनिक, शैक्षणिक आकदमिक, वित्तीय एवं अन्य कार्यों के सुचारू रूप से संचालन एवं सम्पादन करने के लिए विश्वविद्यालय विनियमों/परिनियमों में विहित प्रावधान अनुसार प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशासनिक आदेशानुसार विविध समितियों का विधिपूर्वक गठन किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है-

1. **आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) :-**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की धारा 12 (B) के अनुसार विश्वविद्यालय की मान्यता सुनिश्चित करने, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) का मूल्यांकन सम्पन्न कराने एवं विश्वविद्यालयकी आन्तरिक गुणवत्ता को बढ़ाने तथा विश्वविद्यालय के सर्वविध आकादमिक गुणवत्ता आदि संवर्धन की दृष्टि से आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) का गठन निम्नानुसार किया गया है -

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. पंकजएल. जानी,<br>कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक<br>विश्वविद्यालय, उज्जैन, (म.प्र.) | : | अध्यक्ष |
| 2. | डॉ.मनमोहन उपाध्याय,<br>उपकुलपति, संकायाध्यक्ष,<br>महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | : | सदस्य |
| 3. | डॉ. एल. एस. सोलंकी.<br>कुलसचिव, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक<br>विश्वविद्यालय, उज्जैन, (म.प्र.) | : | सदस्य |
| 4. | डॉ. रामशरण पाण्डेय,<br>संकायाध्यक्ष,शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भीतरी | | सदस्य |
| 5. | डॉ. (श्रीमती) पूजा उपाध्याय<br>असिस्टेन्ट प्रोफेसर, छात्र कल्याण अधिष्ठाता (DSW)<br>महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | : | सदस्य |
| 6. | डॉ. उपेन्द्रभार्गव,<br>असिस्टेन्ट प्रोफेसर, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (प्रशासन)<br>महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | : | सदस्य |
| 7. | डॉ. दीनदयाल बेदिया<br>एसो.प्रोफेसर, पं. जवाहर लाल नेहरु प्रबन्ध संस्थान,<br>विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन | : | सदस्य |
| 8. | डॉ. सीमा शर्मा<br>प्रोफेसर, शास. संस्कृत महविद्यालय, उज्जैन | : | सदस्य |
| 9. | प्रो. हरिप्रसाद दीक्षित<br>शासकीय रामानन्द संस्कृत महाविद्यालय लालघाटी, भोपाल | : | सदस्य |
| 10. | सुश्री यशस्वी जाँगलवा (छात्रा)<br>संस्कृत,<br>महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | : | सदस्य,एम.ए. विशिष्ट |
| 11. | शिवांश शुक्ल (छात्र)<br>बी.ए.बीएड., महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन | : | सदस्य |

12. डॉ. तुलसीदास परौहा : सदस्य सचिव
एसो. प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन

उपर्युक्त समिति के अतिरिक्त अन्य समितियां निम्नलिखित हैं -

1. **भवन समिति**
2. **आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)**
3. **क्रय समिति**
4. **मुद्रण एवं प्रकाशन समिति**
5. **छात्रावास स्थायी समिति**
6. **व्यथा निवारण समिति**
7. **महिला उत्पीड़न निवारण समिति**
8. **महिला विकास समिति**
9. **प्रवेश समिति**
10. **केन्द्रीय परीक्षा समिति**
11. **शोधोपाधि समिति (RDC)**
12. **विभागीय शोध समिति/शोध सलाहकार समिति**
13. **क्रीड़ा समिति**
14. **साहित्यिक समिति**
15. **आकादमिक समिति**
16. **सांस्कृतिक समिति**
17. **युवामहोत्सव आयोजन समिति**
18. **अनुसुचित जाति/जनजाति व्यथा निवारण समिति**
19. **ग्रन्थालयसमिति**

## विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों में संचालित पाठ्यक्रम वर्ष 2018-19

| पाठ्यक्रम | विषय | स्तर | अवधि | अर्हता | प्रवेश प्रक्रिया | नियमित/ स्वाध्यायी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| विद्यावारिधि (पीएच्.डी.) | वेद/व्याकरण/साहित्य/ज्योतिष/ज्योतिर्विज्ञान/संस्कृत | शोधोपाधि | अधिकतम 4 वर्ष | आचार्य/एम.ए. 55% से उत्तीर्ण | चयन परीक्षा द्वारा | नियमित |
| आचार्य | संस्कृत साहित्य एवं साहित्य शास्त्र | स्नातकोत्तर | 4 सेमेस्टर (2 वर्ष) | शास्त्री या समकक्ष या एम.ए. संस्कृत | प्रावीण्य | नियमित (सेमेस्टर पद्धति)/स्वाध्यायी (वार्षिक पद्धति) |
| आचार्य | नव्यव्याकरण | स्नातकोत्तर | -वही- | -वही- | -वही- | -वही- |
| आचार्य | शुक्लयजुर्वेद | स्नातकोत्तर | -वही- | -वही- | -वही- | -वही- |
| आचार्य | फलित ज्योतिष | स्नातकोत्तर | -वही- | -वही- | -वही- | -वही- |
| एम.ए. | संस्कृत | स्नातकोत्तर | -वही- | स्नातक या समकक्ष | -वही- | -वही- |
| एम.ए. | ज्योतिर्विज्ञान | स्नातकोत्तर | -वही- | -वही- | -वही- | -वही- |
| शास्त्री | शुक्लयजुर्वेद/नव्यव्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/ सिद्धान्त ज्योतिष/न्यायदर्शन | स्नातक | 3 वर्ष | उत्तर मध्यमा या 10+2 | प्रावीण्य | नियमित एवं स्वाध्यायी |
| बी.ए. | संस्कृत (ऑनर्स) | स्नातक | 3 वर्ष | उत्तर मध्यमा या 10+2 | प्रावीण्य | नियमित एवं स्वाध्यायी |
| पत्रोपाधि | संस्कृत सम्भाषण/वास्तु | - | 1 वर्ष | उत्तर मध्यमा या | प्रावीण्य | नियमित |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| (डिप्लोमा) | शास्त्र/प्रायोगिकज्योतिर्विज्ञान/पौरोहित्य/योग/वैदिक गणित | | | 10+2 | | |
| प्रमाणपत्र | संस्कृत वाग्व्यवहार/ हस्तरेखा विज्ञान/प्रश्नशास्त्र/शकुनविज्ञान/रत्नज्योतिर्विज्ञान | - | 1 माह | उत्तर मध्यमा या 10+2 | प्रावीण्य | नियमित |
| प्रमाणपत्र | संगीत | - | 6 माह | उत्तर मध्यमा या10+2 | प्रावीण्य | नियमित |

शैक्षणिक सत्र 2018-19 में विश्वविद्यालय में संचालित अध्यापन विभागों के नियमित पाठ्यक्रमों में कुल 310 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश प्राप्त किया। इनमें 14 अनुसूचित जाति, 04 अनुसूचित जनजाति तथा 21 अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र थे।

वार्षिक प्रतिवेदन के अनुसार वर्तमान आलोच्य वर्ष में विश्वविद्यालय संकायों के अंतर्गत संचालित विविध अध्यापन विभागों में अध्ययनरत स्नातक/स्नातकोत्तर तथा शोधोपाधि पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त छात्र-छात्राओं का विवरण अग्रिम पृष्ठ पर उल्लिखित है:-

| SL NO | PROGRAM | I | II | III | TOTAL |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Shastri | 33 | 17 | 15 | 65 |
| 2. | B.A. | 9 | 2 | 10 | 21 |
| 3. | TOTAL | 42 | 19 | 25 | |

| SL NO | PROGRAM | I | II | III | IV |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | B.A. B.ED. | 38 | 0 | 0 | 0 |

| SL NO | PROGRAM | I | II | TOTAL |
|---|---|---|---|---|
| 1. | ACHARYA | 15 | 9 | 24 |
| 2. | M.A. | 67 | 16 | 83 |
| 3. | | 82 | 25 | |

## प्रथम दीक्षान्त समारोह

विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के 12वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है तथा प्रगति पथ पर निरन्तर अग्रसर है। प्रतिवेदन अनुसार वर्तमान आलोच्य सत्र में विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षान्त समारोह दिनांक 02 दिसम्बर 2019 को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल महोदय एवं कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन जी की अध्यक्षता में, मध्यप्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण तथा उच्चशिक्षा मन्त्री श्री जीतू पटवारी जी के विशेष आतिथ्य में तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संस्कृत संबंधी समिति की अध्यक्षएवं कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय रामटेक नागपूर महाराष्ट्र की पूर्व कुलपति डॉ (प्रो.) उमा वैद्य जी की गरिमामयी उपस्थित में पारम्परिक वेषभूषा में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ।

प्रथम दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय के वेद वेदांग एवं साहित्य संकाय, कला संकाय, दर्शन संकाय, एवं प्राचीन विज्ञान संकायों के पाठ्यक्रमों को सफलता पूर्वक उत्तीर्ण करने वाले वर्तमान सत्र के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम के कुल 434 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गयीं।

## विश्वविद्यालय के परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम

महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 क्रमांक 15 सन् 2008 में विहित प्रावधानों के अनुरूप विश्वविद्यालय के 19 परिनियम, 20 अध्यादेश तथा 8 विनियम तैयार कराये गये हैं तथा उन्हें विश्वविद्यालय की साधारण सभा के अनुमोदन की प्रत्याशा में समन्वय समिति एवं समन्वय समिति की स्थायी समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समन्वय समिति के समक्ष रखा जाकर उनका परीक्षण कर लिया गया है और समन्वय समिति की बैठक दिनांक 02.09.2010 में उनको प्रस्तुत हुआ मान लिया गया है। साधारण सभा की विगत बैठक दिनांक 20.11.2012 में इनका अनुमोदन हो गया है। परिनियम, अध्यादेश एवं विनियम की सूची निम्नानुसार है:-

**परिनियम (STATUTES)की सूची :-**

1. Terms and conditions of service of the Vice-Chancellor.
2. Powers and dutiees of the Vice-Chancellor.
3. The Registrar- his emoluments and conditions of service, Powers and duties.
4. New pension scheme.

5. Convocation.
6. Honorary degree.
7. Admission of colleges/institutions to the privileges of the University and withdrawal there of.
8. College code.
9. Autonumous colleges.
10. Scales of pay of Professors, Readers and Lectures.
11. Administration of endowments.
12. Conditions of service for Unicersity empolyees.
13. Seniority of officers and employees of the University.
14. Appointent of examiners.
15. faculites and assignment of subjects to the Faculties.
16. Powers, functions, appointments and conditions of of service of Heads of the University Teching Departments/Institutes/Academic Units.
17. Building committee.
18. Establishment of University Teaching Departments & institution teaching posts.
19. Appointment of non-teaching employees.

## अध्यादेश (ORDINANCES) की सूची

1. Admission of students to a college or University Teaching Department, transfer of students and maintenance of discipline.
2. Enrolment of students and their admission to courses of study.
3. Examinations (General)..
4. Conduct of examinations.
5. The conditions of the award of fellowships and scholarships.
6. Travelling allowance and daily allowance.
7. Semester system at postgraduate level.
8. Semester system at undergraduate lelel.
9. doctor or philosopy/Vidhya Varidhi.
10. Maintenance of discipline among the students and Proctorial Board.
11. Institution of Emeritus Professorship, Honorary Professorship and Adjunct Honorary Professorship.
12. Examination and other fees.
13. Grading system in the examinations.
14. Degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions to be awarded by the University and qualifications for the same and the examinations leading to degree, diplomas and certioficates.
15. Qualifications and conditions of appointement of techers of the University Teaching Departments.
16. Master of Philosophy. (M.Phil)
17. Diploma Courese.
18. Bechalor of Arts (Prachya Paddhati) classice.
19. Master of arts (classics) (Prachya Paddhati)
20. Shiksha Shastr (B.Ed)

## विनियमों (REGULATIONS)की सूची

1. Annual Report
2. Function and duties of Finance Officer
3. Other officers of the University – condition of service, powers and duties
4. Preparation and maintenance of academic seniority lists
5. Seniority of teachers of the University
6. Seniority of Heads of departments in in affiliated colleges
7. Academic Planning and Evaluation Board

## उपाधि विवरण

विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् सन् 2009-10 से परीक्षाओं का आयोजन प्रारम्भ किया। इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। अतः प्रदेश के जो महाविद्यालय अपने-अपने क्षेत्र के विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध थे, इस विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् वे समस्त महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हो गये। सम्बन्धित विश्वविद्यालयों द्वारा जिन उपाधियों की परीक्षा आयोजित की जा रही थीं, उन्हीं उपाधियों की परीक्षाएँ इस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित करना प्रारम्भ कर दिया। सम्प्रति इस विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है:-

| क्र. | पाठ्यक्रम का नाम | पद्धति | अवधि |
|---|---|---|---|
| 1 | शास्त्री/ बी.ए. | वार्षिक पद्धति | तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम |
| 2 | शास्त्री शिक्षा शास्त्री (बी.ए.एड. एकीकृत) | वार्षिक पद्धति | चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम |
| 3 | आचार्य/ एम.ए. | सेमेस्टर पद्धति | दो वर्षीय/चार सेमेस्टर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम |
| 4 | पत्रोपाधि (डिप्लोमा) (संस्कृत सम्भाषण, वास्तुशास्त्र, प्रायोगिक ज्योतिर्विज्ञान, पौरोहित्य, योग विज्ञान, वैदिक गणित) | वार्षिक पद्धति | एक वर्षीय पाठ्यक्रम |
| 6 | विद्यावारिधि (पीएच्.डी.) | - | यू.जी.सी. के नियमानुसार |

## विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय

| विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | प्रबन्धन | | | **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता प्राप्त** | |
| वर्ष | शासकीय | गैर-शासकीय | कुल | 12 (बी) | 2 (एफ) |
| **2018-19** | 09 | 11 | 20 | 03 | 04 |

### विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों की सूची

1. शासकीय वेंकट संस्कृत महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
2. शासकीय अभयानंद संस्कृत महाविद्यालय, कल्याणपुर, जिला-शहडोल (म.प्र.)
3. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला- सीधी (म.प्र.)
4. शासकीय पुरुषोत्तम संस्कृत महाविद्यालय, खजुरीताल, जिला-सतना (म.प्र.)
5. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर, जिला- पन्ना (म.प्र.)
6. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)
7. शासकीय रामानन्द संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल (म.प्र)
8. शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, रामबाग, इन्दौर (म.प्र.)
9. शासकीय मानमल मीमराज रुइया संस्कृत महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र)
10. नगर निगम श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, गोविन्दगंज, जबलपुर(म.प्र.)
11. श्री नारायण संस्कृत महाविद्यालय, कटनी (म.प्र.)
12. श्री गणेश दिगम्बर जैन संस्कृत महाविद्यालय, वर्णी भवन, सागर (म.प्र)
13. संस्कृत महाविद्यालय, धर्मश्री, सागर (म.प्र.)
14. श्री रामनाम संस्कृत महाविद्यालय, अक्षयवट, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
15. श्री जानकी संस्कृत महाविद्यालय, पुरानी लंका, चित्रकूट, जिला-सतना(म.प्र.)
16. श्री ऋषि कुमार संस्कृत महाविद्यालय, पीली कोठी, चित्रकूट, जिला-सतना(म.प्र.)
17. श्री राम संस्कृत महाविद्यालय, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)
18. श्री पीताम्बरा पीठ संस्कृत महाविद्यालय, दतिया (म.प्र.)
19. श्री रावतपुरा सरकार संस्कृत महाविद्यालय,रावतपुरा धाम,लहार,जिला भिंड (म.प्र.)
20. गुरुकुल महाविद्यालय,ग्राम ज्ञानपुरा,तिरला,जिला धार(म.प्र.)

## विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अध्यापकों की स्थिति

| महाविद्यालयों की संख्या | प्राचार्य | | प्रोफेसर | | रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर | | लेक्चरर/असि. प्रोफेसरयोग | | योग | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | योग | महिला | योग | महिला | योग | महिला | योग | महिला | योग | महिला |
| **20** | 02 | 00 | 10 | 05 | 09 | 03 | 09 | 05 | 30 | 13 |

## विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रम वर्ष 2018-19

| पाठ्यक्रम | विषय | पाठ्यक्रम का स्तर | पाठ्यक्रम की अवधि | प्रवेश की अन्तिम योग्यता | प्रवेश की प्रक्रिया | अध्यापन का चलन |
|---|---|---|---|---|---|---|
| आचार्य | संस्कृत साहित्य एवं साहित्य शास्त्र | स्नातकोत्तर | 2 वर्ष | शास्त्री या समकक्ष या एम.ए. संस्कृत | प्रावीण्य | नियमित (सेमेस्टर/ वार्षिक पद्धति) एवं स्वाध्यायी (वार्षिक पद्धति) |
| आचार्य | शुक्लयजुर्वेद | वही | वही | वही | वही | वही |
| आचार्य | नव्यव्याकरण | वही | वही | वही | वही | वही |
| आचार्य | फलितज्योतिष | वही | वही | वही | वही | वही |
| एम.ए. | संस्कृत –साहित्य | वही | वही | स्नातक या समकक्ष | वही | वही |
| एम.ए. | संस्कृत प्राच्य | वही | वही | वही | वही | वही |
| एम.ए. | ज्योतिर्विज्ञान | वही | वही | वही | वही | वही |
| शास्त्री | निर्धारित परीक्षा योजना के अनुसार | स्नातक | 3 वर्ष | उत्तरमध्यमा या समकक्ष | वही | वही |
| बी.ए. | वही | स्नातक | 3 वर्ष | हायर सेकेण्डरी (10$2) या समकक्ष | वही | वही |

## विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्रों की संख्या

| वर्ष | स्नातक प्रथम वर्ष से तृतीय वर्ष | | | स्नातकोत्तर प्रथम से द्वितीय वर्ष | | | कुल योग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **2018-19** | छात्र | छात्राएँ | योग | छात्र | छात्राएँ | योग | छात्र | छात्राएँ | **योग** |
| | 834 | 114 | 948 | 261 | 20 | 281 | 1095 | 134 | **1229** |

## विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./विकलांग छात्रों की संख्या वर्ष 2018-19

| वर्ग | स्नातक | | | स्नातकोत्तर | | | कुल योग | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | छात्र | छात्राएँ | योग | छात्र | छात्राएँ | योग | छात्र | छात्राएँ | **योग** |
| अनुसूचित जाति | 140 | 70 | 210 | 53 | 28 | 81 | 193 | 98 | **291** |
| अनुसूचित जनजाति | 35 | 16 | 51 | 06 | 12 | 18 | 41 | 28 | **69** |
| अन्य पिछड़ा वर्ग | 20 | 15 | 35 | 25 | 20 | 45 | 45 | 35 | **80** |
| विकलांग | - | - | - | - | - | - | - | - | **-** |

## विश्वविद्यालय के शिक्षण-सहभागी-कार्यक्रम

| | | |
|---|---|---|
| 1. स्वतन्त्रता दिवस | : | दिनाङ्क 15.08.2018 को स्वतन्त्रता दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. रमशचन्द्र पण्डाजी ने ध्वजारोहण किया। |
| 2 . संस्कृत प्रशिक्षण वर्ग | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र द्वारा दिनाङ्क 15 से 25 अगस्त 2018 में विश्वविद्यालय परिसर में दस दिवसीय आवासीय संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया, जिसमें 70 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। |
| 3. पौधारोपण | : | दिनाङ्क 23/08/2018 को विश्वविद्यालय ने कुलाधिपति माननीय राज्यपाल महोदया श्रीमती आनन्दी बेन पटेल की उपस्थिति में न्यूनतम समय में 1100 हाथों से अग्रसर करते हुए 1100 पौधे लगाने का **गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड** स्थापित किया। |
| 4. संस्कृत सप्ताह | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र द्वारा 23 अगस्त से 29 अगस्त 2018 तक आयोजित संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन जी के द्वारा किया गया।तथा संस्कृत के अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। |
| 5.शिक्षक दिवस | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र द्वारा शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनाङ्क 05.09.2018 को छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर 500 से अधिक पौधे शैक्षणिक तथा प्रशानिक परिसर में रोपित किये गये। |
| 6. संस्कृत सम्भाषाण शिविर | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र द्वारा दिनाङ्क 05 सितम्बर से 31 सितम्बर 2018 तक उत्कृष्ट विद्यालय उज्जैन में संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 40 बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। |
| 7. दुर्गासप्तशती पाठ | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र द्वारा दिनाङ्क 20 सितम्बर से 18 अक्टूबर तक दुर्गासप्तशती पाठ विधान वर्ग का आयोजन किया गया। इस वर्ग में नगर के 44 लोगों ने दुर्गासप्तशती का पाठ करने की विधि सीखी। इस वर्ग में अनेक शसकीय, अशासकीय, सेवानिवृत्त आदि व्यक्तियों ने पाठ करने की विधि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। |
| 8.स्वच्छता अभियान | : | दिनाङ्क 02.10.2018 को स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया। |
| 9. महालक्ष्मी पूजन विधि | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र के द्वारा दिनाङ्क 22 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2019 महालक्ष्मी पूजन विधि तथा अन्य देवताओं के दशोपचार तथा षोडशोपचार पूजन की विधि सिखाई गई। वर्ग में नगर के 32 लोगों ने महालक्षमी पूजन करने का मंत्रों सहित प्रशिक्षण प्राप्त किया। |
| 10. NET/JRF | : | दिनाङ्क 25 अक्टूबर से 15 दिसम्बर तक संस्कृत नेट जे.आर.एफ. शिक्षण कार्याशाल प्रतियोगिता परिक्षाओं की परीक्षामें सफलता अर्जित करने हेतु शिक्षण वर्ग आयोजित किया गया । इस वर्ग में 14 छात्रों ने भाग लिया जिसमें 04 ने सफलता अर्जित की। |
| 11. संस्कृत सम्भाषाण शिविर | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र के द्वारा दिनाङ्क 15 नवम्बर से 20 दिसम्बर 2019 तक उत्कृष्ट विद्यालय तथा मॉडल हाई स्कूल के छात्रों के लिए संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 65 छात्रों ने संस्कृत सम्भाषण का प्रशिक्षण प्राप्त किया। |
| 12. श्रीमद्भागवद् गीता पाठ | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र द्वारा दिनाङ्क 10/11/18 से 18/12/18 तक श्रीमद्भगवद्गीता पाठविधि सिखाने हेतु 01मासीय गीताशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। वर्ग में नगर के अनेक जिज्ञासुओं को शुद्ध गीता पाठ करने की विधि सिखाई गई। श्रीमद्भागवतद् गीता में आहार, आचार और विचार विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का कार्यक्रम गीता जयन्ती पर 18 दिसम्बर को आयोजित किया गया। कार्याक्रम में डॉ. बालकृष्ण शर्मा तथा अन्य विद्वानों ने व्याख्यान दिए। |
| 13. भारतीय गणितीय परम्परा | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र के द्वारा दिनाङ्क 05 जनवरी 2019 को भारतीय गणितीय परम्परा विषय पर वैदिक गणित के विद्वानों आचार्य देवेन्द्रराव देशमुखजी छत्तीसगढ़ व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में छात्रों तथा शिक्षकों ने सहभागिता की। |
| 14. युवा दिवस | : | दिनाङ्क 12.01.2019 को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय अध्यापन विभाग में युवा दिवस का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं तथा अध्यापकों द्वारा स्वामी विवेकानन्दजी के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व की चर्चा की गई। |

| | | |
|---|---|---|
| 15. गणतन्त्र दिवस | : | दिनाङ्क 26.01.2019 को गणतन्त्र दिवस का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में ध्वजारोहण के पश्चात् माननीय कुलपतिजी प्रो. रमश चन्द्र पण्डाजी का सम्बोधन हुआ। |
| 16. विशिष्ट व्याख्यान | : | दिनाङ्क 12 फरवरी 2019 को शास्त्रसंरक्षणोपाया: विषय पर न्याय शास्त्र के आचार्य देवदत्त पाटिलजी तथा डॉ. अपर्णा पाटिल जी गोवा का विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान आयोजित किया गया। सभी छात्र तथा शिक्षकों की कार्यक्रम में सहभागिता रही। |
| 17. राष्ट्रीय कार्यशाला | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र द्वारा दिनाङ्क 14-15 फरवरी 2019 को वैदिक गणित की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में आचार्य देवेन्द्रराव देशमुख- छत्तीसगढ़, आचार्य श्री योगेश कुमार गुप्ता-मथुरा तथा आचार्य श्री रामचन्द्र आर्य, पटना बिहार ने दोनों दिन उपस्थित रहकर कार्यशाला में वैदिक गणिक के माध्यम से गणितीय प्रश्नों को हल करने की पद्धति का शिक्षण प्रदान किया। |
| 18. राष्ट्रीय शोध सम्मेलन | : | ज्योतिष एवं ज्योतिर्विज्ञान विभाग द्वारा दिनाङ्क 18/02/2019 को "देवालय वास्तु के विविध आयाम" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध सङ्गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें कुल 58 शोधकर्ताओं ने प्रतिभागिता हेतु पंजीयन कराया। |
| 19. कार्यशाला | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र के द्वारा दिनाङ्क 14-15/02/2019 को वैदिक गणित राष्ट्रीय कार्यशाला में श्री देवेन्द्रनाथ देशमुख द्वारा छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। |
| 20. युवा महोत्सव | : | दिनाङ्क 23-25/02/2019 में विश्वविद्यालय परिसर में युवामहोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में आशुभाषण, गीत, श्लोकान्त्याक्षरी, वादविवाद, नृत्य, निबन्ध, रङ्गवल्ली, प्रश्नमंच, योगासन, धावन और कबड्डी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयीं जिनमें विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों सहित सम्बद्ध महाविद्यालयों के 146 छात्रों ने सोत्साह सहभागिता की। प्रथम दिवस राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान , दिल्ली के प्रो चन्द्रभूषण शर्मा ने छात्रों को सम्बोधित किया। अन्तिम दिवस विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो आशा शुक्ला और पूर्वकुलपति प्रो मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। |
| 21. स्वाध्यायी परीक्षा | : | दिनाङ्क 02.03.2019 से 29.03.2019 तक स्वाध्यायी छात्रों के लिये वार्षिक परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया। |
| 22. राष्ट्रीय शोध सम्मेलन | : | विशिष्ट संस्कृत विभाग द्वारा दिनाङ्क 05 से 14 मार्च 2019 में "छन्दःशास्त्रविमर्श" विषय पर कार्यशाला आयोजित की गयी। कुल 40 पंजीयन हुए। |
| 23. राष्ट्रीय शोध सङ्गोष्ठी | : | संस्कृत साहित्य एवं दर्शन विभाग द्वारा दिनाङ्क 10/03/2019 को "काव्यशास्त्रीयप्रस्थानेषु काव्यदोषविचारः " विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध सङ्गोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें तीन सत्र आयोजित किये गये। सङ्गोष्ठी में कुल 87 पञ्जीयन हुए। |
| 24. राष्ट्रीय शोध सङ्गोष्ठी | : | वेद एवं व्याकरण विभाग द्वारा दिनाङ्क 15/03/2019 को " वेदाङ्गशिक्षाशास्त्रालोके उच्चारणविज्ञानम्" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध सङ्गोष्ठी आयोजित की गयी। सङ्गोष्ठी में कुल ३६ पञ्जीयन हुए। |
| 25. परिसंवाद | : | संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण तथा ज्ञान विज्ञान संवर्धन केन्द्र के द्वारा दिनाङ्क 09/04/2019 को "भारतीयकालगणनायाः वैज्ञानिकता" विषय पर परिसंवाद का आयोजन किया गया। परिसंवाद में वरिष्ठ इतिहासविद् प्रो भगवतीलाल राजपुरोहित और विष्णु श्रीधर वाकणकर वेधशाला, डोंगला के प्रकल्प अधिकारी श्री घनश्याम रत्नानी के विशेष व्याख्यान हुए। अध्यक्षता कुलपति प्रो पंकज लक्ष्मण जानी की रही। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के साथ डॉ लक्ष्मीनारायण जाटवा, श्री माधव आनन्द दलवी, श्री पी एन उपाध्याय, श्री के सी शर्मा आदि ने सक्रिय सहभागिता की। |
| 26. प्रशिक्षण कार्यशाला | : | दिनाङ्क 16.04.2019 से 17.05.2019 तक विश्वविद्यालय के शैक्षणिक परिसर में एकमासीय ग्रष्मकालीन संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 45 छात्रों ने सहभागिता की, जिसमें 21 पुरुष तथा 22 महिलायें थी। कार्यशाला के उद्घाटन एवं समापन में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. पंकज लक्षमण जानी, माननीय उपकुलपति प्रो. मनमोहन उपाध्याय , कुलसचिव डॉ. एल.एस. सोलंकी तथा विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्रगण उपस्थित थे। |

27. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस : दिनाङ्क 21.06.2019 को प्रातः 08:00 बजे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार द्वारा सामूहिक रूप से योग किया गया।

28. हिन्दी दिवस : दिनाङ्क 14/09/2019 को हिन्दी दिवस के अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के आचार्य शैलेन्द्र शर्मा जी का व्याख्यान हुआ।

29. जनसुनवाई : विश्वविद्यालय में छात्र समस्या निवारण हेतु प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है, जिसमें छात्रों की समस्याओं पर विचार किया जाता है। आचार्य, एम.ए., बी.ए. आदि के छात्रगण सम्मिलित हुए।

30. परीक्षा परिणाम : विश्वविद्यालय द्वारा सभी परीक्षाओं के परीक्षाफल शासन द्वारा निर्धारित अकादमिक कैलेन्डर के अनुसार समय पर घोषित किया।

## सहभागी कार्यक्रम्

- Traditions of Veda Rituals are being followed in the Pilgrimage - भारत की प्राचीन तीर्थ नगरी अवंतिका में वेद अध्ययन एवं कर्मकाण्ड पौरोहित्य का रोजगारपरक प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं।

- World record by plantation of 1100 plants in the campus - 05/09/2018 (बुधवार) को विश्वविद्यालय के पंचवटी परिसर एवं प्रशासनिक भवन परिसर में पोधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे परिसर में 1100 पौधो का रोपण कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

- Free counselling service - निशुल्क परामर्श केंद्र का शुभारंभ विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

- Making Women aware about menstrual hygiene – महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन के महिला समिति, एन.एस.एस (NSS) एवं वी सेफ फाउन्डेशन (Be Safe Foundation) के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 8 मार्च 2019 को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया था। जिसमें बी सेफ फाउन्डेशन, उज्जैन शाखा से उपस्थित श्रीमती रुचि तिवारी ने महिलाओं की समस्याओं, उनके समाधान और सैनिटरी पैड के सही उपयोग पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक छात्राएं एवं महिला कर्मचारी तथा प्राध्यापिकाएं उपस्थित रही।

- Sanskrit training Class - 15/07/2018 को गोठड़ा जिला उज्जैन के संयुक्त तत्वधान में **10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर** का उद्घाटन किया गया

- Shrimad Bhagwat Geeta Recitation - 10/11/2018 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा शहर के अनेक जिज्ञासुओं के लिए 1 माह तक की **गीता शिक्षण कक्षा** का आयोजन किया गया|

- Sanskrit Conversation Camp - 15/09/2018 को **संस्कृत संभाषण शिविर** का आयोजन महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय उज्जैन में किया गया|

- **योग प्रशिक्षण**

दिनांक 21 जून 2018 महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में योग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता की योग प्रशिक्षण कार्यशाला कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में विभागीय आचार्यगण उपस्थित रहे।

- **संस्कृतसम्भाषणशिविर**

दिनांक 15 अगस्त 2018 से 25 अगस्त 2018 तक महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में संस्कृतसम्भाषणशिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया । उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

- **दूर्गासप्तशतीपाठ विधान प्रशिक्षण**

दिनांक- 20 सितम्बर 2020 को विश्वविद्यालय के संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षणज्ञान विज्ञान संवर्द्धन केन्द्र द्वारा तथा वेद एवं व्याकरण विभाग के सहयोग से ऑनलाइन माध्यम से दूर्गासप्तशतीपाठ विधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक कर्मचारियों ने सहभागिता प्रदान की ।

- **नेट/स्लेट/जेआरएफ प्रशिक्षणवर्ग**

दिनांक 25 अक्टूबर 2018 को महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय में एकदिवसीय राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा शिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

## विश्वविद्यालयीन प्रकाशन

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा शोध, अनुसंधान एवं गवेषणा की प्रवृत्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से त्रैमासिक सान्दर्भिकशोधपत्रिका **पाणिनीया ISSN-2321-7626** का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता है। पत्रिका में संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा में लब्धप्रतिष्ठित विद्वानों के शोधालेख प्रकाशित किये जाते हैं।

## विश्वविद्यालयीन ग्रन्थालय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत छात्रों, शोधार्थियों की अकादमिक सुविधा के लिए विश्वविद्यालय द्वारा समृद्ध ग्रन्थालय स्थापित किया गया है। ग्रन्थालय में छात्रों की सुविध के लिये तथा शोध उद्देश्यों की पूर्ति के लिए वेद,व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, पुराण, इतिहास, उपनिषद् आदि के संस्कृत ग्रन्थ तथा सन्दर्भ ग्रन्थ, कोषग्रन्थ, आधुनिक ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकि ग्रन्थ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं। वर्तमान में पुस्तकालय में विविध विषयों की 3500 से अधिक शीर्षक उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी तथा शोध पत्रिकाएँ भी प्राप्त की जा रही हैं। शोधोपयोगी सान्दर्भिक ग्रन्थों का क्रयण भी विचाराधीन है।

## महाविद्यालयीन गतिविधियाँ

**(1) शासकीय अभयानन्द संस्कृत महाविद्यालय, कल्याणपुर, जिला-शहडोल (म.प्र.)**

महाविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस, स्वच्छता पखवाडा, स्वतन्त्रता दिवस, संस्कृत सप्ताह, अन्त्योदय दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, मध्य प्रदेश दिवस समारोह, उन्नत भारत अभियान तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गये। साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस, शहीद दिवस, विश्व योग दिवस आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

**(2) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)**

महाविद्यालय में राष्ट्रिय पर्व स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस का अयोजन हर्षोउल्लास के साथ किया गया। सूर्य नमस्कार, स्वामी विवेकानन्द केरियर मार्गदर्शन, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम व्याख्यान माला का अयोजन किया गया इसके अतिरिक्त महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की धारा 2 (f) के अर्न्तगत पंजीकृत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं आचार्यों ने शैक्षणिक एवं प्रशानिक गतिविधियों में वर्ष भर प्रतिभागिता की तथा उनके शोध पत्रों का भी प्रकाशन हुआ। छात्रों ने सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं अन्य सहगामी कार्यक्रमों में भाग लेकर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

**(3) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, भितरी, जिला-सीधी (म.प्र.)**

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, युवा उत्सव तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया।

**(4) नगर निगम श्री लोकनाथ शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, गोविन्दगंज, जबलपुर (म.प्र.)**

महाविद्यालय में इस सत्र में प्रवेश उत्सव, स्वतन्त्रता दिवस, शिक्षक दिवस, गांधी जयन्ती, शिक्षण संगोष्ठी, शैक्षणिक भ्रमण, संस्कृत महोत्सव, वृक्षारोपण कार्यक्रम, गुरुपुर्णिमा महोत्सव, गांधी सहित्य का वाचन किया गया तथा शैक्षणिक सहगामी कार्यक्रम एवं परीक्षा आदि को समय पर आयोजित किया।

**(5) श्री रामनाम संस्कृत महाविद्यालय, अक्षयवट, चित्रकूट, जिला-सतना (म.प्र.)**

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह,सम्भाषण शिविर, रामनवमी पर्व आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

**(6) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्रनगर, पन्ना (म.प्र.)**

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती, गाँधी जयन्ती, संस्कृत सप्ताह, महिला संरक्षण आदि विषयों पर व्याख्यान तथा विभिन्न क्रीडा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

**(7) शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, इन्दौर (म.प्र.)**

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय इन्दौर में प्रवेश उत्सव कार्यक्रम, शिक्षक अभिभावक योजना, पूर्व छात्र संगठन, कर्मकाण्ड, ज्योतिष एवं वास्तु कार्यशाला, व्यवहार संस्कृत प्रशिक्षण कार्यशाला, संस्कृत सप्ताह, गुरु पूर्णिमा, तुलसी जयन्ती, सद्भावना दिवस,नदी जागरुकता कार्यक्रम आदि अनेक कार्यक्रमों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

**(8) संस्कृत महाविद्यालय धर्मश्री, सागर (म.प्र.)**

महाविद्यालय में तुलसी जयन्ती, स्वतन्त्रता दिवस, कालिदास जयन्ती, संस्कृत सप्ताह आदि का आयोजन किया गया।

**(9) शासकीय पुरुषोत्तम संस्कृत महाविद्यालय, खजुरीताल सतना (म.प्र.)**

महाविद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस आदि पर्व मनाये गये तथा विभिन्न क्रीडा एवं सांस्कृतिक गतिविधिओं का आयोजन किया गया।

**(10) श्री रावतपुरा सरकारसंस्कृत महाविद्यालय, रावतपुरा धाम (म.प्र.)**

महाविद्यालय में संस्कृत सप्ताह, स्वतन्त्रता दिवस, हिन्दी दिवस, गीता जयन्ती आदि पर्व मनाये गए। महाविद्यालय में विभिन्न क्रीडा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

**वार्षिक वित्तीय प्राक्कलन**

वित्तीय वर्ष 2018-19 में विश्विद्यालय की वित्तीय स्थिति मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग/आयुक्त उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा खण्ड संधारण अनुदान विश्वविद्यालय हेतु वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए राशि रुपये 250 लाख स्वीकृति किया गया था।

उक्त वित्तीय वर्ष में उक्त स्वीकृत राशि के विरूद्ध निम्नानुसार राशि विश्वविद्यालय को प्राप्त हुई है। जिसका विवरण इस प्रकार से है:-

1. दिनांक 08.06.2018 राशि रुपये 22.50 लाख
2. दिनांक 20.07.2018 राशि रुपये 22.50 लाख
3. दिनांक 24.07.2018 राशि रुपये 22.50 लाख
4. दिनांक 06.09.2018 राशि रुपये 22.50 लाख
5. दिनांक 04.10.2018 राशि रुपये 11.25 लाख
6. दिनांक 14.11.2018 राशि रुपये 22.50 लाख
7. दिनांक 07.12.2018 राशि रुपये 22.50 लाख
8. दिनांक 26.12.2018 राशि रुपये 11.25 लाख
9. दिनांक 21.01.2019 राशि रुपये 22.50 लाख
10. दिनांक 22.02.2019 राशि रुपये 22.50 लाख
11. दिनांक 31.03.2019 राशि रुपये 25.00 लाख

**इस प्रकार कुल योग राशि रुपये - 227.50 लाख**

इस प्रकार कुल स्वीकृत राशि रुपये 250 लाख के विरूद्ध विश्वविद्यालय को केवल 227.50 लाख ही प्राप्त हुई है।

**विश्वविद्यालय का वित्तीय प्राक्कलन (मदवार)**

| क्र. | विवरण व्यय | राशि (लाख में ) |
|---|---|---|
| 1 | अधिकारियों/शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन/ मानदेय/पारिश्रमिक/ अतिथि मानदेय | 188.75 |
| 2 | विश्वविद्यायल समन्वय समिति/पेंशन कटौत्रा/नवीन पेंशन योजना | 12.69 |
| 3 | नियोक्ता अंशदान | 12.69 |
| 4 | यात्रा भत्ता | 1.55 |
| 5 | विद्युत/विद्युत सामग्री | 3.59 |
| 6 | टेलीफोन | 1.17 |
| 7 | स्टेशनरी | 1.80 |
| 8 | डाक | .94 |
| 9 | फोटोकॉपी मशीन क्रय /प्रिटिंग | .40 |
| 10 | पेट्रोल | 2.60 |
| 11 | वाहन संधारण/टैक्सी किराया | 1.30 |
| 12 | सिक्यूरिटी | 3.56 |
| 13 | विविध व्यय | 4.04 |
| 14 | कम्प्यूटर संधारण/उपस्कर एवं पुस्तक क्रय | .43 |
| 15 | कार्यालय भवन/कुलपति निवास किराया | 5.30 |
| 16 | पत्र पत्रिका/संगोष्ठी/शुभारंभ | 5.85 |
| 17 | विज्ञापन | 4.40 |
| 18 | ऑडिट फीस/कानूनी व्यय | .95 |
| 19 | परीक्षा व्यय | 29.64 |
| 20 | फर्नीचर/युवाउत्सव/भवन रिपेरिंग | 3.00 |
| | **कुल योग** | **284.65** |

वित्तीय वर्ष 2018-19 हेतु पुनरीक्षित बजट अनुमान एवं वर्ष 2019-20 मुल वित्तीय अनुमान जिसे कार्यपरिषद् में प्रस्तुत किया गया था। कि छायाप्रति संलग्न है साथ ही वित्तीय वर्ष 2018-19 का प्रेषित किया गया उपयोगिता प्रमाण-पत्र की छायाप्रति भी संलग्न है।

संलग्न प्रस्तुत बजट में राज्य शासन से प्राप्त होने वाले अनुदान सहित अन्य आय को आदि शामिल करते हुए रुपये 1100 लाख की अनुमानित आय की गयी है। तथा अनुमानित व्यय रुपये 8315 लाख माना गया है। उक्त बजट में विकास एवं अधोसंरचनात्मक आय-व्यय की राशि रुपये 881 लाख अनुमानित की गयी हैं। बजट में शामिल योजनाओं के संबंध में राज्य शासन से कुछ वर्षो से पत्र व्यवहार जारी है तथा अनुदान शामिल होने की सम्भावना है।

प्रस्तावित बजट वर्ष 2018-19 के पुनरीक्षित आंकलन 259.62 लाख के विरूद्ध वास्तविक व्यय रुपये 284.50 लाख हुआ है।

सातवे वेतनमान सहित के कारण वेतन में हो रहे अधित्य एवं समस्त अन्तर की राशि की प्रतिपूर्ती राज्य शासन से अतिरिक्त अनुदान प्राप्त होने पर की जा सकती है।

## उपसंहार

प्रतिवेदनाधीन वर्ष में राज्यपाल सचिवालय, मध्यप्रदेश शासन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, महाविद्यालयों के शिक्षक और छात्र, समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार के नागरिकगणों, विश्वविद्यालय अध्यापन विभागों के अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त सहयोग और सहायता के लिये विश्वविद्यालय कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

**कुलसचिव**